## खंड – क
## (अपठित अंश)

(10)

1) क) आजके विद्यार्थी का जीवन वर्तमान रूपी सोच रखनेवाला होना चाहिए अर्थात वर्तमान में जीने वाला होना चाहिए न कि भविष्य की सोच में डूबने वाला। (2)

ख) हमें भविष्य को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान भविष्य का भी हो लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे। तभी भविष्य मजबूत बनेगा। (2)

ग) उपसर्ग – उपसर्ग मूल शब्द

1) निः संदेह

2) मूल मंत्र (2)

घ) वही योजनाए महत्वपूर्ण होती है जो वर्तमान में की जाती है क्योंकि वर्तमान में ही की गई योजनाएँ और परिश्रम ही भविष्य को उत्तम और सुखद बनाती है। (2)

ङ) सफलता का मूलमंत्र – एक स्वप्न ले, उसके अनुसार कार्य प्रारंभ करे, जितनी संभव है उतनी मेहनत भी करे लेकिन निराश को जीवन में कभी भी स्थान न दे यही सफलता का मूल मंत्र है। (1)

च) गद्यांश का शीर्षक – वर्तमान को प्रधानता। (कोई और उचित शीर्षक लिख सकते हैं) (1)

## खंड – ख
## (व्यावहारिक व्याकरण)

(16)

2) उदा. वह – शब्द (1)

वह विद्यालय गया है यहाँ 'वह' सर्वमान पद है।

3) क) बालक रो–रो कर चुप हो गया। (3)

ख) सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।

ग) उसे पत्रिका पढ़नी थी इसलिए वह पुस्तकालय गई।

4) क) 1) समास विग्रह (2)

पंचतंत्र – पंचतंत्रो का समाहार द्विगु (तत्पुरूष) समास

2) महासागर – महान है जो सागर (कर्मधारय समास)

ख) 1) आप पर बीती – आपबीती (अधिकरण तत्पुरूष समास) (2)

2) महान है जो पुरूष – महापुरूष (कर्मधारय समास)

5) क) बड़े बाजार में झंडा फहरने लगा। (1)

ख) 'गोदान' उपन्यास मुंशी प्रेमचंद ने लिखा है। (1)

ग) हे ईश्वर। हमारी मदद करना। (1)

घ) वहाँ एक ऊँचा पेड़ दिखाई दे रहा है। (1)

6) क) घर आते ही रोहन के पेट में चूहे कूदने लगे। (1)

ख) राहुल को कम अंक मिलने पर उसके पिताजी आग बबूला हो गए। (1)

ग) पेपर कठिन आने पर सीता को दिन में तारे नजर आने लगे। (1)

घ) पेट्रोल की कीमते बढने से लोगो के पैरों तले जमीन खिसक गई। (1)

## खंड – ग (28)

## (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7) क) पुलिस का प्रबंध – पुलिस का अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन करना । ..... मोटर लारियों में गोरहो तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे ..... लारियाँ पूरे शहर में घुमाना ..... घुड़–सवारों का प्रबंध, बड़े – बड़े पार्को तथा मैदानों को पुलिस ने घेर रखा था। (2)

ख) वामीरों को तताँरा को भूलना इसीलिए असंभव था क्योंकि – तताँरा वामीरों को अत्याधिक प्रेम करता था। (2)

ग) बड़े भाई साहब का बचपन इस प्रकार, तिरोहित हो जाता है ..... बड़े भाई की जिम्मेदारी–उन्हे लगता था कि वे अगर गलत कदम पर चलेंगे तो अपने छोटे भाई को क्या सीख देंगे वह स्वयं खेलकूद में रहेंगे तो छोटा भाई भी पढ़ाई न करके वही सब करेगा। (2)

घ) वजीर अली सच्चे मायनो में जाँबाज सिपाही इसीलिए था क्योंकि वह साहसी, वीर, निर्भीक होने के साथ साथ अपनी आजादी से प्रेम करनेवाला, देशभक्त होने के साथ – साथ चालाक एव बुद्धिमान भी था। (2)

8) केवल व्यक्तिगत काम के लिए सजग, 'हानि – लाभ का हिसाब उठाकर कदम उठाते, सबकी बजाय केवल अपने हित की बात, समाज के प्रति दायित्वों में भी 'आदर्श' का प्रयोग भी केवल व्यक्तिगत हित के लिए। (5)

**अथवा**

**वजीर अली का चरित्र – चित्रण**

साहसी, वीर, निर्भीक व्यक्तित्व, अपनी आजादी से प्रेम करनेवाला, देशभक्त, सूझबूझ से काम लेनेवाला, चालाक बुद्धिमानी व्यक्ति।

9) क) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने यह उपाय सुझाया है कि निंदा करने वाले लोगों को हमेशा अपने पास ही रखना चाहिए, हो सके तो उन्हें अपने आँगन में ही कुटी बाँधकर दे–देनी चाहिए ताकि वह आपके स्वभाव को निमल बना दे। (2)

ख) सरस्वती दानवीर, उदार व्यक्तियों की कथा का वर्णन अपने मुख से करती है क्योंकि इन्ही उदार व्यक्तियों से स्वयं धरा अर्थात पृथ्वी भी स्वयं को धन्य मानती है कि ऐसे दानवीर–उदार व्यक्ति उनकी धरती पर जन्म लिए। (2)

ग) मीराबाई श्याम की चाकरी इसीलिए करना चाहती है कि इस चाकरी के बहाने वह हमेशा अपने प्रभु श्याम के पास रहेगी और उनके दर्शन प्राप्त कर अपना जीवन धन्य करेगी। (2)

घ) तोप के विषय में जानकारी – कंपनी बाग के गेट पर रखी गई है। बड़ी सम्हाल कर रखी गई विरासत में मिली हुई तोप साल में दो बार चमकाई जाती है। (2)

10) 'आत्मत्रण' कविता द्वारा कवि यह संदेश देते है कि – (5)

मनुष्य को हमेशा कठिनाइयों में ईश्वर को सहायता के लिए याद न करके उनसे हिम्मत और शक्ति माँगने की प्रार्थना करनी चाहिए ताकि हर परिस्थिती का सामना मनुष्य डटकर कर सके और वह स्वयं धैर्यवान बनकर केवल भलाई, एवं ईश्वर के प्रति धन्यवाद रखने में विश्वास रख सके।

**अथवा**

मनुष्यता कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देते है कि मनुष्य ने स्वार्थी न होकर हमेशा दूसरों की भलाई के लिए ही कार्य करना चाहिए तभी उसका मनुष्य जीवन सफल हो सकेगा। उसे हमेशा दानशील वीर और सहायक होना चाहिए। उसे गर्व नही करना चाहिए बल्कि प्रेम–भाव से एकता के साथ रहना चाहिए।

11) क) हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक श्रेणी के इसीलिए लगने लगे क्योंकि दोनो ही उनकी जायदाद हड़प करना चाहते थे और वह उसके लिए इतना नीचे गिर चुके थे कि अपनी स्वार्थी वृत्ती के लिए वह उन्हे मारते –

पीटते भी थे, यहाँ तक कि उनकी जान लेने की कोशिश भी कर चुके परंतु कामयाब न हो सके। (3)

ख) **पीटी सर की चारित्रिक विशेषताएँ–**

क्रूर वृत्ती के, कड़क शिक्षक अनुशासन प्रिय, विद्यार्थीयों को मारने पीटने वाले बच्चों की खाल खीचने वाले, निर्दयी–निष्ठुर, बच्चों की चमडी उधेड़ दनेवाले र्निदयी शिक्षक। (3)

## खंड – घ (26)

## (लेखन)

12) **अनुच्छेद लेखन** (6)

प्रारूप – 2 अंक

विषय वस्तु – 2 अंक

भाषा – 2 अंक

13) **पत्र लेखन** (5)

पत्र प्रारूप – 2 अंक

विषय वस्तु – 2 अंक

भाषा – 1 अंक

14) **सूचना लेखन** (5)

सूचना प्रारूप – 2 अंक

विषय वस्तु – 3 अंक

15) **संवाद लेखन** (5)

भाषा शैली – 2 अंक

विषय वस्तु – 3 अंक

16) **विज्ञापन लेखन** (5)

प्रारूप – 2 अंक

विषय वस्तु – 2 अंक

भाषा – 1 अंक

**********

EduCare Home of innovative education...